## 

शुअ:इदे:तु:रनश

हे नदे कर में दारी कर निर्मा के अपी है के नियाना अर देर दुया है के निया है कि नियान है देर में के सार यार्डेंदे र्डेन बर यो हेर्या दे प्राचित्र प्रा नकुनानलेदारागुदार्से यायद्विदान्ययायाया ध्रीमाम्मानुमान्त्रस्य स्वतंत्रस्य स्वतंत्रस्य स्वतंत्रस्य स्वतंत्रस्य <u>दळर:बूर:इंस:ब्र्गानश्रस:ब्रॅल:सेर्-ग्रीश:दर्नेर:दर्गेर-ग्रुक्ते:दर्ब-स:नश्चर-वशःलेर-ग्रूर-१ देव:ब्रेर-ब्र्व-बिर</u> गुद्रायासूद्रायदे न्युन्यान्याले यासे यासूदे याने नार्से न्यास्य द्राया स्वायासीय सुन्य से द्राया स्वायासीय स् नश्रदःत्। र्वेनाःसरःश्चेर्देरः वैदःसःश्चनसःसर्वेदःकेदःराःसर्वेनाःनेसःनदंदःश्चेतःसेदःसरःनदेःन्येदः रयानश्रूताहे नुसारवसाहे लु सदे ते रवसा ४० दर वें नहें रसासर वहें दे त्यसाव दर नु नहे सामा है ले ह <mark>ढ़ॺॱॸॖॻढ़ॱढ़ॕॺॱय़ॱढ़ॖऀॻॱफ़ढ़ॱय़ॱॾॣॕॺॱढ़॓ॱख़ॱॸॖॺ</mark>ॕॺऻढ़ॕढ़ॱॻॸऻॗॱॾॣॺॺॱॸ॓ॱॸॖॺॱॻढ़ढ़ॱॿॖॕख़ॱक़ॕॸॱॻढ़ॖॎॸॱॿ॓ॱॾ॓ॸॱढ़ॿॖॕॸॱ देगानाशुंश में नावश सूरश ५ ७८ विदाय सामाना मालुर प्रदेव सहदानाई क्याय दे हिंद व के शाय व स्वत हु बुँग्रां बेर्-द्रा वर्षेत्रविद्रा वर्षेत्रवर्षा न्यरं भूता न्यरं भूता के क्रिरं भूता मही वार्ष प्राप्त प्राप्त नर्द्रार्चे त्यः नुःर्ने न् से सन् रेष्ट्रे त्य हु राष्ट्रद रेष्ट्रे नार्या हु निष्ट्रे त्या है निष्ट्रे त्या हु निष्ट्रे त्या से हिन्द्र स्था से हिन्द्र वै ८ व्हेंदे से ना सूर ५ दुना नदे भे भूद की विस्राधिना सादना पारे द्रारा है नाया हुन। क्लें ना हा के राजद साद सिर वयान्वित्व। व्यामुकार्चेनार्नेन्।वानानार्यार्थारुवार्थेन्यायार्थेन्यानायात्र्यात्र्यात्रायायात्र्यात्र्यात्र्या ঀয়ৢয়ৼঢ়৾৻৳৾য়৽ঀৢঀৗয়ড়য়ৼ৾য়ঀ৾ৡয়৽য়য়ৼয়৾ঀৼঢ়৾য়ৼয়য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়য়য়য়৾য়ৼঢ়ঢ়ৼঢ়ঀ৾ৡয়৽য়ৢ৽য়৾ঀ देःदर। क्षेत्रायाम्बेत्रास्याक्षेत्रास्याक्षात्रायाम्याक्षायान्दा। वर्डेबाध्यायद्यायक्षायान्यावायाः विकास इस्रामिक राष्ट्री नसूत्र राष्ट्रें तर्रे प्रतानत्र दे विसास दे मिक्र से द्वा स्टा है दा कुर दूस में दारा सकर से दस स्टा ह्वार निवेश नकुन्देशक्षिन्ग्री नगाळग्रान्द्रद्वाळेन्तु विन्द्रां विन्द्रां ग्राबिदेशस्य स्टिंग्रास्त्री सेस्राहे सेद्रासि विन्द्री कें अ'खुन्य अ'के त'र्से 'निहे अ'हे 'नें त'ट्ट'न्द्र'निहे अ'खअ'हे ट्र'स'न्य अख'र्से 'इत् 'ही 'दर्न्न'स'स' बट्टा न्दर'र्से द'निहे अ'ही ' 

न बुदः र्वेदः ग्री: कुषः कुदः देशः प्रवेश शेष्ट्र प्रशासे देशः कुषः प्रवेशः कुषः प्रवेशः किष्णः विश्वास्ति । विश्वास दर्ने निर्द्धताश्चर्या हे या सम्पर्देश है। या नयो समाय है ना कया विया नहीं मुर्गे या समाय है साम है साम प्राप्त द्ययः श्री प्रियाः हेर्न्, नुः संने न्या ने न्या स्वयास्य स्वर्षः श्री स्वया स्वयाः नुः प्रियाः निः प्रियः निः प्रियाः निः प्रियः निः प्रितः निः प्रि चगादः हे दःचले से चत्र देवे के अप्ये किंद्र अस्य अस्य किंग अस्य के अस्य मानवाद दि के अस्य विवास के अस्य है व्यादश्चिमां से श्वेदादे। दे द्वादी नवर के या श्चे श्वादा समये द्वारा विमार्ड साद्दर श्वेदार्शे वा स्वाद स्वादी स् द्यायाळेंद्रि न्वरळें याक्ष्ययाचे वर्षे नया वर्षे दाया द्वारा प्रत्ये देश हो वर्षे वरत् वर्षे वर য়য়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻ঀয়ৣ৻য়ৢঀ৻ৼঢ়৾৻৵ৄয়ৼৼ৻ড়৻৽য়য়য়৻য়ৢ৻ড়৾ঀ৻য়ঢ়য়৻ঀ৻য়ৄঀঢ়ড়৾য়৻ড়য়য়৻য়ৢয়য়৸ঀয়৻ঀৢঢ়ঀয়ৼয়৾৻ रुम्यरम्यत्विद्याः स्वार्थित्। देशद्या वर्ष्याः स्वार्थित्। वर्ष्याः स्वार्थितः स्वर्थितः स्वार्थितः स्वर्येतः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वार्येतः स्वर्येतः स्वर्य गशुभः के भारत्यायान्दरायहर्या सदि । दशुभाश्चेद । विद्रायाशु । याद्राया । याद् ग्री त्र श्रु अरबे दे र्वे न वर मिडे मा अद्धर अरबु अरबूर र में अरब दे मुरबद्ध र हे र भेद र कर अर्दे मुखा सूना मर र र न वह दे हिंदा श्चे ळें नश्चर दश कुर र् नदर खेर शेर श्वर विवा नी नित्य सम्पर्म निवा निवा कर विवा कर विवा कर के र कुरळे दर्भे ने वि प्रमा विश्वप्रदुर में दान के अपने के अपने वास्त्र के प्रमार के विषय के प्रमार के वास्त्र के विषय के प्रमार के विषय के प्रमार के विषय के प्रमार के विषय के प्रमार के विषय के कि विषय के प्रमार के विषय के प्रमार के विषय के प्रमार के विषय के विषय के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रम के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के प्रमार के <u>त्वॅ निवेद न्या वेद के अपन्य परे द्वर में कें या के या वेद द सके या हिया के या देश या वेद के स</u> देवाःशुकाःग्राद्रादेःश्चान्नोद्दाक्षेद्राचेद्राच्यादेव। व्यवाः <u>दर्ज्ञ या प्रमाण क्रिया प्रमाण के मार्च्या प्रमाण क्रिया प्रमाण क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया </u> र्वेन्द्राव्येषायासेन्यवे तुरानुःखुर्यायवे केंशासुग्रायास्त्रात्वेषासेन्यासूत्र्यासूत्र्यासूत्र्यात्र्यायायायावन्याया वहराशी विवादश्रेषान् श्रीता निवाद के रहे राज्य दिया राजिया है निवाद निवाद के विवाद के विवाद के राज्य के स्वाद विवाद के राज्य के स्वाद के राज्य के र रेत वर में का अर्दे में अर मेर हिया से दासूर से दासी आसे आर्दे दे में आयात आर शुला न वमार्दे मारे या न हर ना से दा वया कुः यळवा ८ व्हें वें ५ के उत्राचा वदा व्हें या दुया राज्य विष्या के विषय के विषय विषय विषय विषय विषय विषय ह्नाशःविरःन्धुन्तःरःर्ळेशरेशःसरःनुःनन्नानावेशःन्रःश्वशःसःश्वरःनार्थेः चःर्वेशःसःवे। देवःवरःनावयःनुःसेन् र्वेद पदे हिंद क्रवाका व्यान श्रका ग्राम प्रवीच श्रुम स्थे श्रुम पदे प्युम से मान्य प्रवास के स्थान से मान्य प

कू.त.बुच.कट्ट्रे.वट्शु.चे.के.ए.व्यूट्रे.के.चे.च्यां श.चाट्ट.चे.चे.श.च.चे.वा.डु.व्यां श.च्यां श्रेचा कु.च्यां हु.च्यां हु.च

त्रिम्भी-न्यातः भ्रूं याम्यास्यायः स्वायात्र स्वयात्र स्वायात्र स्वयायात्र स्वयायात्र स्वयायात्र स्वयायात्र स्वयाया

<u> न्वीं अप्यत्ने मात्र न्द्रित मात्र त्याद्र अपके माले माय्ये द्राप्त न्याद्र मात्र प्रदेश में मात्र स्वाप्त स</u>्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत चे अःशुः बुवायः प्रदे । यः दवो । वगादः ह्रे ८ : प्रवेदे । प्रश्नुव : पर्वा : क्रेव : इस : प्रथः देव : दस : प्रवेद : क्रेव : स्थायः देव : दस : प्रवेद : क्रेव : स्थायः देव : दस : प्रवेद : क्रेव : स्थायः देव : दस : प्रवेद : क्रेव : स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था <u> बुग्रायार्भ्रेस्य वर्षा वें दासे 'रेग्रायाण्चे' श्रेप्य 'र्द्ध' देव द्वादा से ग्रायास बुद्धे यार्गे दात्र ग्रिया श्रुराया दसेग्राया ।</u> यदे अह्रा स्वर्भ से के विवार भग्ना नम्भूत वाद्य प्रिंत नदे वार्क वादि नमा वृत्य हुते तुमायान न विवास न <mark>दशालुशादा प्रश्नेद प्रपास्त्र केद स्थाप्य प्रपास प्रपास प्राम्ह स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र प्रधान्त्र प्रधानेत्र प्रधानेत्र</mark> ग्रीशः सुनाशःशुः सः खूदः पद्म विदः वक्कुदः वदः वक्षुवः ग्रीः श्विवः विदशः शः द्वो विवादः द्वेदः विवेदे विवादः विवा ড়য়৽য়ড়ৢ৾ঀ৾৽য়৾ঀ৽ড়য়৽ড়য়৽ড়য়৽য়ড়ৢ৾য়৽ঀ৾ৢঀ৽য়ৢয়৽য়ৼয়৽য়ৣয়৽য়৾ঀ৽ঊয়৽ঀৢয়ৢয়৽য়ঢ়৽ড়৾য়৽য়৾ঀ৽ৼ৾য়৽ঀৼৢয়৽ঀড়৽ निवेशम्बद्धाः में मुश्यान्य विष्या अप्ति नियाद हे रामवेदि निष्ट्र महत्व निया है के तम् अपि प्रमाने सम्बद्ध में अप ग्रिं में राक्षेत्रीं प्रायम् राक्षेत्रात्यम् राज्यान् राज्यान्त्रम् स्वति । स यात्रशासदे नत्र देवे त्र क्तं के शाक्कु नाववाची न्यर वार्य स्वासके वार्यहेत् की विश्व किता त्र विश्व न्या स्वास <mark>ळनःश्चेन्खेनःळदेः वेंगाळेंशःस्याशःदश्चशःश्चेदेः केंन्द्रिंगान्तेगशःशः पॅनःनःनठशःग्रेःन्योः सळंतःनुःशःध्वा</mark> <u>ॱढ़ऀॱक़ॢ॓ऻॱॸॱक़॓ढ़ॱॵ॑॔॔ॸॴॖॣॸॱॷऀॴक़॓॔ढ़ॱॻक़ऀॺॱॻक़॔ॴॾ॓ॴड़ढ़ॱॹॾ॒ऺढ़ॹॎॗॺॱऄऀ॔॔ॴॱॻड़ॺॱय़ॗऀॴ</u> र्चरक्षेत्र विस्थान वर्षे त्यून विराद्य कर्षे रास्य क्षेत्र स्थान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य क्षेत्र क् यहिंदाकी याद्यां प्राप्त हैंदावि यदि है। दश्याया से माने दश्या हो माने दश्या है माने से माने प्राप्त है। प्राप्त है। प्राप्त हो। प्राप्त है। प्राप है। प्राप्त है। प्राप्त है। प्राप्त है। प्राप्त है। प्राप्त है। स्मा नवादेवे के मास्याया में अपराद्य मासे माहे मारी विनया में न्याय त्या मुन्दा पराद्य मारा में मारा में र्बे अःग्रीःवयात्र अःश्चे व्यष्ट्र अःश्चेत्रः र्वे वायात्रात्रे अःस्यात्र विवायात्रात्रे वायात्र विवायात्र विवायात्य विवायात्र विवायात्य कुं, यद्यात्र संस्थितः सक्त्ययाः सद्ये वात्यागाः यदे वाहे या सम्मित्र हिता वात्र तत्र दे तत्र वात्र स्थाने वात्र हो । यहिशाग्री देशनश्र केदार्श द्रा द्रा है दर केश कुरायश श्री भूदायारे केया मी पार्च पार्व वा पर केया यह सामा मी स र्<u>दे.कॅट.लेबोश.कुर.चेश.स.ट्ट.</u>एचेल.कें.कूबोश.ट.जश.विवी.धी. चूट.कु.कें.कें.अ.४५११ थिट.वश.वशशक्षताता.कूश. <u>बदःश्रेरःश्रॅंप्यश्रचे हुश्राच्चय्रश्रेर्पये यथा सुग्राया प्रत्ये प्रयश्चित्र स्वर्थः सुग्राया स्वर्धे प्रवर्ण विद्</u> भे देग्रा वे सहस्र क्षेत्र से ग्रायाव्य प्रत्से व्याप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप श्चे प्रमास्याचे प्रमास्य प्रमास्य प्रमास्य क्षेत्र का क्षेत्र का मूट स्मास्य का मूट का स्वास्य का का का का स्व क्रिंगस्यायात्र हुराक्षे भेरिन्द्र्ये यासूया हु। तह्ययाचे याक्षेत्र यास्य यास्य विवय केत्र विवय क्रियान्य विवय

चगादः गावदः श्रदः होः श्रेः श्रुः श्रवः चश्रः श्रद्धः द्वः द्वादः चित्रः विदः हो न्यादः हो न्यादः हो न्यादः विदः हो न्यादः हो न्यादः विदः हो न्यादः हो न्या

वश्रमभेदे भ्रिम्प्रम् श्रुम्पा तुम्द्रा प्रमार्वेत् कुष्यमार्दे द्रम्पद्रम्यद्रम्य देवे के सासुमासार्श्वेदे देवा सुम्मारा वि ढुंद्र-र्पेद्र-सामाज्ञन्। में भार्केन्यमासु नवराधु ते :भ्राक्ताय मुमासे ते :वित्र महिन्य स्रेन्य महिन्य स्रेन्य स्रेन ष्ट्रवःश्चेरःश्चेषःगश्चायास्द्रःश्चेष्ययायायद्या नवःदेवःश्चेष्यश्चयाद्यायदेवयाग्चेदःश्चेष्यया <u>ढ़ऀढ़ॱनर्वे न्त्रेरःनीशःवनाम्वर्रेर्-पर्वेशःयःवेनासेत्। प्रसेशःहें दरःयदे हें सेलाभ्रनशःसळस्रशःश्रेपेर्स्राधः सरःश्रे</u> दश्याञ्चरळें न्यायाया में दाव वा के प्राप्त दगुलः क्ष्य न अच्छेतः हो या पुरस्क मार्चे देश वा पाल हो। श्चे प्रस्थ स्थाने स्थाने स्थाने पाल स्थाने स्थाने स <u>चगादःह्नेदःवीःकेंशःस्रुवाशःश्चेःदम्रुशःग्चैःवचशःश्चेवाशःश्चेदःचश्चःग्चःश्चेदःववावार्वेदःवावदःश्चेशःश्चेदःयःवश्चिदःशः</u> . बुनावा नःगार्वेन्। न्यार्वेन्। स्वारक्ष्यान् हें स्वारक्ष्याकुन्। ययादाक्षेत्रान्वे। प्रमायक्ष्यान्वे। यहाया श्चेना लु अ र्श्वेन मान्य प्रति अ कवा अ कु में र अ कवा अ र र्श्वेना अ मानवित विवाद अ मन्य मानवित विवाद अ स्वाद अ स <u>द्या स्त्रा अर्देरश वेंद्र के हैं। केंग्रायदा केंश्राया शत्र व्यायदा केंद्र वेंद्र वाहे के रादर्गे कुंधि वा</u> द्रिंशक्रिशंभेन्'ग्रुटःदेवाक्रिशंग्रीशंचल्यन्'ब्रुवा वादःव्यवाशंबेश्यता शन्वो चगवःह्रेटःद्रःहें दरःवरुशंवार्केशः चगादःचाद्रुअःचाश्रमःअदे के शःकुदःददः। कुत्यःचःचगादःचकुदःके चत्रे कुदःचकुदःद्रुः चुदे चत्रः के शःयःददः क्वःदुःअः ल्रि इनामरार्वेर्पातको नार्टा थे नुषारार्वेन्यास्त्रम् वाषात्र्यायान्त्रम् वाष्ट्रम् वार्वेर् <u>दरा दे द्वाची दर वासे सळ्दर पाववाचा वद सहसाची ळे साख्वासा र बुसासे दे चें वा बर हैं दा द्वीसाळवासा कु</u> 

ग्रीभाकुः आर्थोदार्गोदान् माकुः द्या भावे भावदे । द्या भूदा अदा अदा में प्रार्थे द्या भावे । भूदा अदा भूवा । <u> दळें ल. मैं . २ . १ . जंदा प्राप्त प्राप्त के विताय के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्र</u> <mark>चर क्रें र अदे खश क्रें य देवा कवा शक्कु हे अ संश्राह्मे अस्त्र खुवा अ द्वर दहें द स क्रें अ संश्राम देवा देवा के स</mark> र्विट्रश्राद्यशः मुखः वाडे शःराषाळे वाश्रासुः शवरः नुश्रशः मुश्रावाद्रशः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः श्रावाद्यः श्र नमूनव्या नन्यने न्न्यते यायानवग्वा भेदे नेग्यायायानग्वा स्थित्वा प्राप्ता विकास विकास विकास विकास विकास विकास क्रिंते श्चे क्रिंग्यायदीयाद्राचादायाद्राचादायाच्या दर्गाचाची प्राचीता श्चें द्राचीता स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप <mark>ढ़ॾॕॹॴॻॖॴॴॱऻॵ॔ज़ऄॣॸज़ढ़ॕॸॎऻढ़ॾऀॻऻॴॸऄॣॴॻॖॴॴॱॸ॓ॱॴज़ढ़ॖॸॱॸॏॴऒॕढ़ॱॶॻॴॸक़ॗॸॱॻऻॶॴ</mark> व्याक्तुनानर्भुत्रात्र्यायायीवाव। वदीवीर्वित्रयोग्नेग्यासायीत्रवीर्वित्रयोग्नित्रासादेन् यः तुर्। अर्रेर:र्देव:प्पर:श्वेर। नडव:र्त्वेय:र्वेर:शे:अर:श्वे:दशुअ:ध्वर:र्त्वेग्य:ग्वेय:र्देय:र्वेय:र्वेय:प्रान्य:ग्वर:र्देव: युग्रथाके दार्थे में दार्पात्र महिषाया श्रेप्य श्रुप्य श्रेष्य के स्वाया मुक्त करे के या मुक्त के सामुग्र मानविष्य में स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स् भे वित्रासु नव विवाद के साथ प्रमुखा भे महिसारे विवाद प्रमुखा कु ने प्रमासूत्र कि स्थाप के प्रमासूत्र कि स्थाप के स्थाप कें अ'ख़न्य यान्त्र द्र अ'ख़न्य अ'स्वन अ'स्व द्र अर विदेश हैं दि द्र नर केंद्र अ' क्षेत्र विदेश हैं दे विदेश हैं हैं विदेश हैं दे विदेश हैं विदेश है बिस्रमाधियाः विवादिक्षाः विवादिका के सामित्र विवादिक स्वादिक स वियात्माने वित्ति हिन कि स्वाप्त कि सामित है । वित्ति कि सामित कि सामित कि सामित कि सामित कि सामित कि सामित कि <u> न्वीं ब.की. प्राप्त का प्रवास का कुला क्षेत्र क्</u> हिनःशेदःम्रीः कःम्रेद्रा नायः हे :क्रॅशःस्यायायाय स्त्रुयः शेदे ।वनशः श्रेनायः र्वेनः क्रेन्दे ।हिनः विन्यादन क्र्यः क्रॅशः कुराविषा वर्षे वरत धोव। दःक्षें भे ने दे ने व्यास्य मार्चे दे वि द्वर से द्या सु सु दे वि मार्ग स्था सु दे वि मार्ग सु दे वि मार्ग